MPA

,e-,- ¼ykd Á'kklu½
,e-ih-,-

tqykbZ 2014 vkSj tuojh 2015 l= ds
l=h; dk;Z
¼,e-,- izFke o"kZ ds ikB~;Øeksa ds fy,½

lkekftd foKku fo|kihB
bafnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky;
eSnku x<+h] ubZ fnYyh&110068-

,e-,- i|Fke o"k ¼ykd Á'kklu½

प्रिय छात्र / छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

i|Lrrhdj.k %

,e-,- i|Fke o"k e miyC/k lHkh pkjk ikB;Øek d l=h; dk;l bl ifLrdk e 'kkfey gA vki l vuqjk/k g fd vki l=h; dk;k dk fu/kkfjr frfFk rd tek djk n rkfd vki l=kr ijh{kk n ldA

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

Lk=h; dk;l l[;k	i|Lrfr dh frfFk	fdl Hkt
एम.पी.ए–011, एम.पी.ए–012, एम.पी.ए–013 और एम.पी.ए–014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)	जुलाई 2014 सत्र के लिए 31 मार्च 2015 जनवरी 2015 सत्र के लिए 30 सितंबर 2015	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

Lk=h; dk;Z djus ds funsZ'k

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) ;kstuk % सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) laxBu % अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) izLrqrhdj.k % जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। mÙkj lkQ&lkQ vkSj viuh gLrfyfi esa gh fy[ksaA जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

izks- bZ- ok;qUuu vkSj izks- vydk /kesZtk
dk;ZØe la;kstd
,e-,- ¼yksd iz'kklu½

,e-ih-,&011 % jkT;] lekt vkSj yksd iz’kklu
v/;kid tk¡p Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB~;Øe dksM % ,e-ih-,&011
l=h; dk;Z dksM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vad % 100

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&I vkSj Hkkx&II gSaA iR;sd Hkkx esa ik¡p iz’u gSaA vkidks dqy ik¡p iz’u djus gSa] fdarq iR;sd Hkkx esa ls de ls de nks iz’u vo’; dhft,A iR;sd iz’u dk mÙkj yxHkx 500 ’kCnksa esa nhft,A iR;sd iz’u 20 vadksa dk gSA

Hkkx&I

1. समाज और प्रशासन के बारे में एफ.डब्ल्यू. रिग्स के विचारों का उल्लेख कीजिए।

2. आधुनिक राज्य के बारे में गांधीवाद परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।

3. राज्य के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।

4. 'सामाजिक समता की अवधारणा लोक प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।' चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) नव–उदारवारी राज्य के बारे में रॉबर्ट नोजिक के विचार
   (ख) नागरिक घोषणा–पत्र प्रयास

Hkkx&II

6. राज्य, समाज और लोक प्रशासन के बीच अंतर्संबंध की व्याख्या कीजिए।

7. सुशासन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

8. 'चिल्का आंदोलन, प्रासंगिक लोकतांत्रिक जन–आंदोलन है।' चर्चा कीजिए।

9. लोक प्रशासन पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विवेचन कीजिए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

    (क) वैश्विक न्याय और उत्तरदायित्व के सरोकार
    (ख) संघर्ष समाधान का स्वरूप

,e-ih-,&012 % Á'kklfud fl)kar
v/;kid tkap Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB;Øe dksM % ,e-ih-,&012
l=h; dk;Z dksM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vad % 100

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&I vkSj Hkkx&II gSaA izR;sd Hkkx esa ikap Á'u gSaA vkidks dqy ikap Á'u djus gSa] fdarq izR;sd Hkkx esa ls de ls de nks Á'u vo'; dhft,A izR;sd Á'u dk mÙkj yxHkx 500 'kCnksa esa nhft,A izR;sd Á'u 20 vadksa dk gSA

Hkkx&I

1. अध्ययन के एक विषय और कार्यकलाप के रूप में लोक प्रशासन के महत्व का विवेचन कीजिए।

2. संगठन का प्ररूप वर्गीकरण पर एक टिप्पणी लिखिए।

3. प्रशासन के सामान्य सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

4. 'एफ.डब्ल्यू. टेलर द्वारा प्रतिपादित वैज्ञानिक प्रबंधन के मूलभूत सिद्धांतों और संदर्भ ने लोक प्रशासन को एक विषय के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट आधार प्रदान किया है।' चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) नौकरशाही के बारे में कार्ल मार्क्स के विचार
   (ख) प्रत्यायोजन के सिद्धांत

Hkkx&II

6. अब्राहम मैस्लो द्वारा संगठन में निर्धारित की गई मनुष्य की आधारभूत आवश्यकताओं का विवेचन कीजिए।

7. नवीन लोक प्रशासन के लक्ष्य और विरोधी–लक्ष्यों का विवेचन कीजिए।

8. लोक प्रशासन के समीक्षात्मक सिद्धांत की प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए।

9. संगठनात्मक संस्कृति के घटकों का विवेचन कीजिए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) संगठनात्मक संस्कृति के प्रकार
   (ख) समीक्षात्मक सिद्धांत का अर्थ

,e-ih-,&013 % lkoZtfud iz.kkyh izca/ku
v/;kid tk¡p Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB;Øe dkM % ,e-ih-,&013
l=h; dk;Z dkM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vad % 100

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&I vkSj Hkkx&II gSaA izR;sd Hkkx esa ikap Á'u gSaA vkidks dqy ikap Á'u djus gSa] fdUrq izR;sd Hkkx esa ls de ls de nks Á'u vo'; dhft,A izR;sd Á'u dk mÙkj yxHkx 500 'kCnksa esa nhft,A izR;sd Á'u 20 vadksa dk gSA

Hkkx&I

1. नौकरशाही व्यवस्था और सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. भारत में सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के संवैधानिक परिवेश का विश्लेषण कीजिए।

3. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव का कुछ केस अध्ययनों के जरिए विवेचन कीजिए।

4. 'वर्तमान में न्यायिक सक्रियतावाद स्पष्ट रूप से विकसित हो रहा है।' – चर्चा कीजिए।

5. गठबंधन के युग में अंतःसरकारी संबंधों के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Hkkx&II

6. सामरिक प्रबंधन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरणों की चर्चा कीजिए।

7. सूचना प्रणाली के प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए।

8. सार्वजनिक प्रणाली की कार्य–कुशलता और उत्पादकता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण तकनीकों का विवेचन कीजिए।

9. उत्तरदायित्व और अनुक्रियाशीलता के बीच संबंधों के विभिन्न पक्षों का उल्लेख कीजिए।

10. सशक्तीकरण की अवधारणा और आयामों की व्याख्या कीजिए।

,e-ih-,&014 % ekuo lalk/ku ÁcU/ku
v/;kid tkap Lk=h; dk;Z
¼Vh-,e-,-½

ikB~;Øe dkM % ,e-ih-,&014
l=h; dk;Z dkM % ,-,l-,l-Vh@Vh-,e-,@2014&2015
vad % 100

bl l=h; dk;Z esa Hkkx&I vkSj Hkkx&II gSaA izR;sd Hkkx esa ikap Á'u gSaA vkidks dqy ikap Á'u djus gSa] fdUrq izR;sd Hkkx esa ls de ls de nks Á'u vo'; dhft,A izR;sd Á'u dk mÙkj yxHkx 500 'kCnksa esa nhft,A izR;sd Á'u 20 vadksa dk gSA

Hkkx&I

1. मानव संसाधन विकास को परिभाषित कीजिए और इसकी विशेषताओं एवं निहितार्थ पर चर्चा कीजिए।
2. सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन के विभिन्न मॉडलों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।
3. मानव शक्ति नियोजन को परिभाषित कीजिए और इसकी प्रक्रिया पर चर्चा कीजिए।
4. 'भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न चरण होते हैं।' चर्चा कीजिए।
5. कर्मचारी लाभ पर एक टिप्पणी लिखिए।

Hkkx&II

6. अधिगम और विकास को परिभाषित कीजिए और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।
7. समग्र गुणवत्ता प्रबंधन क्या है? समग्र गुणवत्ता प्रबंधन और पारंपरिक प्रबंधन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
8. असुरक्षित कार्यों के कारणों का उल्लेख कीजिए और इन्हें कम करने के उपाय सुझाइए।
9. प्रबंधन में कार्यकर्ता की भागीदारी को परिभाषित कीजिए और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।
10. गुणवत्ता वर्ग पर एक टिप्पणी लिखिए।